

---

# Shiva Ashtakam

श्रीशिवाष्टकम्

## Document Information

---

Text title : shivaaShTakam 2

File name : shivaaShTakam.itx

Category : aShTaka, shiva

Location : doc\_shiva

Author : Traditional

Transliterated by : Ravin Bhalekar ravibhalekar at hotmail.com

Proofread by : Ravin Bhalekar ravibhalekar at hotmail.com

Latest update : September 25, 2004

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

January 7, 2022

*sanskritdocuments.org*

---

---

## Shiva Ashtakam

---

### श्रीशिवाष्टकम्

---



श्रीगणेशाय नमः ।

प्रभुमीशमनीशमशेषगुणं गुणालीनमडीश-गलाभरणम् ।

रण-निर्जित-दृज्जयदैत्यपुरं प्रणामामिशिवं शिवकल्पतरुम् ॥ १ ॥

गिरिश श्रुतान्वित-वाम तनुं तनु-निन्दित-राजित-कोटीविधुम् ।

विधि-विषय-शिवस्तुत-पाद्युगं प्रणामामिशिवं शिवकल्पतरुम् ॥ २ ॥

शशिलाञ्छित-रञ्जित-सन्मुकुटं कटिलम्बित-सुन्दर-कृत्तिपटम् ।

सुरशैवलिनी-कृत-पूतजटं प्रणामामिशिवं शिवकल्पतरुम् ॥ ३ ॥

नयनत्रय-भूषित-चारुमुष्णं मुष्णपद्म-पराजित-कोटीविधुम् ।

विधु-भण्ड-विमण्डित-भालतटं प्रणामामिशिवं शिवकल्पतरुम् ॥ ४ ॥

वृषराज-निकेतनमादिगुरुं गरलाशनमाजि विषाणधरम् ।

प्रमथाधिप-सेवक-रञ्जनकं प्रणामामिशिवं शिवकल्पतरुम् ॥ ५ ॥

भकरध्वज-भक्तमतङ्गुडरं करियर्भगनाग-विबोधकरम् ।

वरदाभय-शूलविषाण-धरं प्रणामामिशिवं शिवकल्पतरुम् ॥ ६ ॥

जगद्गुणव-पालन-नाशकरं कृपयैव पुनस्त्रय रुपधरम् ।

प्रिय मानव-साधुजनैकगतिं प्रणामामिशिवं शिवकल्पतरुम् ॥ ७ ॥

न दत्तनु पुष्पं सदा पाप यित्तैः पुनर्जन्म दुःखात् परित्राडि शम्भो ।

भजतोऽपिल दुःख समूह उरं प्रणामामिशिवं शिवकल्पतरुम् ॥ ८ ॥

॥ छति शिवाष्टकं सम्पूर्णम् ॥

Encoded and proofread by Ravin Bhalekar ravibhalekar@hotmail.com

---



*Shiva Ashtakam*

pdf was typeset on January 7, 2022



Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

